छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

परफार्मेन्स बजट

2007–2008

––:प्रस्तावना:––

राज्य शासन द्वारा वर्ष 2007–2008 से वार्षिक बजट में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं के लिए भौतिक लक्ष्य एवं उपलब्धि को दर्शाया जाना प्रारंभ किया गया हैं इसी तारतम्य में इस वर्ष राज्य शासन द्वारा विभिन्न विभागों हेतु '' परफार्मेन्स बजट'' लाये जाने का निर्णय लिया गया है।

भू–अभिलेख विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की भौतिक लक्ष्य एवं उपलब्धि तथा क्रिंयान्वित की जा रही योजनाओं की संक्षिप्त परिचय एवं विवरण परिशिष्ट के अनुसार संलग्न है। उसी प्रकार वर्ष 2007–2008 का बजटीय अनुमान पुनरीक्षित अनुमान तथा उसके विरूद्ध वास्तविक व्यय के आंकड़े को भी योजनावार वर्गीकृत किया जा कर परिशिष्ट में दर्शाया गया है। तदनुसार विवरण पुस्तिका– बजट पुस्तिका के रूप में आपकी ओर सादर प्रेषित है।

योजनाओं की संक्षेपिका

1	6768	ग्रामीण क्षेत्रों में आवासहीन परिवारों को आवास सुविधा उपलब्ध कराने हेतु निजी भूमि अधिग्रहण करने पर निजी भूमि मालिकों को भूमि मुआवजा वितरण हेतु वर्ष 2007–08 के लिए रू. 500.00 लाख का बजट प्रावधान था जिसमें से रूपये 450.00 लाख 6 जिलों में भू–अर्जन का मुआवजा हेंतु राशि का व्यय किया गया है।
2	4729	हवाई सर्वेक्षण की योजनाः– परम्परागत पद्धति से नक्शा तैयार करने की प्रकिया अधिक जटील, श्रमसाध्य खर्चीली है जिसके विकल्प के रूप में स्थाई सर्वे को लिया गया है। जिला बस्तर के अबूझमाड़ क्षेत्र में हवाई सर्वे द्वारा फोटोग्राफी, नक्शा तैयार किया जा रहा है । अतः इस पर व्यय किया जा रहा है।
3	2817	फसलों की सांख्यिकी में सुधार की योजनाः– ये योजना पूर्णरूप से टी.आर.एस. योजना से प्राप्त आकड़े के जॉच एवं निरीक्षण से संबंधित है। इस योजना के अंतर्गत मुख्यालय क्षेत्रीय एवं जिला स्तर के अधिकारियों द्वारा स्थल निरीक्षण के आधार पर प्राप्त आकड़े का सत्यापन कर प्रतिवेदन तैयार किया जाता है। जिससे कृषि सांख्यिकी से विश्वसनीय आंकड़े उपलब्ध कराया जाता है। योजनान्तर्गत संलग्न अधिकारियों/ कर्मचारियों का वेतन भत्ता पर व्यय किया जाता है।
4	3542	मुख्य फसलों के क्षेत्रफल तथा उत्पादन संबंधी अनुमानों को समय पर भेजने की योजनाः– राज्य के कुल ग्रामों के न्यादर्ष पद्धति द्वारा चूने गये 20 प्रतिशत ग्रामों में गिरदावरी करवाकर क्षेत्रफल के अनुरूप एक न्यादर्ष पद्धति द्वारा चूने गये ग्रामों में फसल कटाई प्रयोगों के आधार पर पैदावार के अनुमानित आंकड़े तैयार किये जाते है। योजनान्तर्गत संलग्न अधिकारियों / कर्मचारियों का वेतन भत्ते पर व्यय किया जाता है।
5	6337	भू–अभिलेख का अद्यतिकरणः– इसके अंतर्गत राजस्व निरीक्षक एवं पटवारी प्रशिक्षण शाला भवनों के निर्माण अभिलेखागार का निर्माण, राजस्व निरीक्षक तथा पटवारी कार्यालय सह आवासीय भवनो का निर्माण किया जाना है। वर्ष 2007–08 में रू. 10.00 करोड़ का प्रावधान है जिसमें 500 पटवारी आवास सह कार्यालय बनाया जाना है।
6	908	यह योजना केन्द्र क्षेत्रीय योजना है। इसमें कोटवारों के आर्थिक सामाजिक के साथ–साथ कृषि करने की पद्धति की गणना की जाती है। इस योजना में कृषकों के जोत के क्षेत्रफल के विभिन्न आकार वर्गो के अंतर्गत प्रतिवेदन तैयार किये गये है।

7	5917	भू–अभिलेखों का संधारण वैज्ञानिक पद्धति से करने एवं अभिलेखों का टेम्पर प्रूफ बनाने के उद्देश्य से भू–अभिलेखों का कम्प्यूटरीकरण योजना राज्य के 16 जिलों की समस्त तहसीलों में जिला प्रशासन के सहयोग से की गई है।
8	8717	इस योजना के अंतर्गत प्रत्येक 5 वर्ष में राज्य के पाये जाने वाली पशुधन एवं कृषि औजारों की गणना की जाती है। यह योजना केन्द्र क्षेत्रीय योजना है।
9	2727	राजस्व निरीक्षक प्रशिक्षण शाला /प्रबंधन कार्य तकनीकि एवं कानूनी कार्य है। जिसमें संलग्न अधिकारियों / कर्मचारियों तथा भारतीय प्रशासनीक सेवा के अंतर्गत परीविक्षाधीन अधिकारियों को प्रशिक्षण देने आधुनिक तकनीक व कानूनों से अवगत कराने तथा सर्वे का सैद्धांतिक व व्यवहारिक प्रशिक्षण देने हेतु राज्य के जिला बिलासपुर में राजस्व निरीक्षक प्रशिक्षण शाला कार्यरत है।
10	7603	यह योजना कृषकों के फसल हानि की क्षतिपूर्ति हेतु फसल बीमा के रूप में कियान्वयन की जा रही है। साथ ही इस योजना के अधीन प्रदेश में बोये जाने वाली फसलों की उत्पादन के आंकड़े तैयार किये जाते है। इस योजना में प्रमुख फसलों का लगभग 12 हजार फसल प्रयोग किये जाते है ।

अध्याय–2

परिणामी बजट वर्ष 2007–08

राशि लाख रूपयों में

क.	योजना का नाम	वर्ष 2007–08 की बजटीय अनुमान	वर्ष 2007–08 का पुरीक्षित अनुमान	व्यय (लाख में)
1	दीनदयाल ग्रामीण योजना	500.00	450.00	450.00
2	हवाई सर्वेक्षण की योजना	226.00	226.00	–
3	फसलों की सांख्यिकी में सुधार की योजना	34.35	34.35	28.63
4	मुख्य फसलों के उत्पादन संबंधी अनुमानों को समय पर भेजने की योजना	30.72	30.72	22.51
5	भू–अभिलेख का अद्यतिकरण	130.00	1000.00	820.00
6	कृषि संगणना	45.51	54.30	26.91
7	भू–अभिलेख कम्प्यूटरीकरण योजना	300.00	0	23.23
8	पशु संगणना	0.50	0.50	–
9	राजस्व निरीक्षक प्रशिक्षण शाला	30.00	2.00	–
10	राष्ट्रीय फसल बीमा योजना	10.00	10.00	2.75

अध्याय–3

योजनावार निर्धारित भौतिक लक्ष्य तथा प्राप्ति जिसमें विचलन का कारण उल्लेखित हैः–

क्र.	योजना / कार्यक्रम का नाम	वर्ष 2007–08 का भौतिक लक्ष्य	वर्ष 2007–08 तक की भौतिक प्राप्ति	विषेश
1	दीनदयाल ग्रामीण योजना	500.00	6 जिले में भू–अर्जन का प्रकरण तैयार	
2	हवाई सर्वेक्षण की योजना	226.00	सर्वे कार्य पूर्ण	
3	फसलों की सांख्यिकी में सुधार की योजना	34.35	पूर्ण	
4	मुख्य फसलों के उत्पादन संबंधी अनुमानों को समय पर भेजने की योजना	30.72	पूर्ण	
5	भू–अभिलेख का अद्यतिकरण	1000.00	410 पटवारी कार्यालय सह आवास	
6	कृषि संगणना	54.30	निरंतर	
7	भू–अभिलेख कम्प्यूटरीकरण योजना	300.00	45 कम्प्यूटर सह उपकरण	
8	पशु संगणना	0.50	–	
9	राजस्व निरीक्षक प्रशिक्षण शाला	30.00	–	
10	राष्ट्रीय फसल बीमा योजना	10.00	योजना की क्रियान्वयन पर व्यय।	

अध्याय–4
परिणामी बजट वर्ष 2007–08

राशि लाख रूपयों में

क्र	योजना / कार्य क्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	आयोजना राशियां 2007–08	क्वांटिफायेबल डिलीवरेबल्स	उपलब्धि	
					वित्तीय	भौतिक
1	दीनदयाल ग्रामीण योजना	ग्रामीण क्षेत्रों में आवासहीन परिवारों को आवास सुविधा उपलब्ध कराना	500.00	भूमि अधिग्रहण पर मुआवजा देना	450.00	6 जिले में भू–अर्जन का प्रकरण तैयार
2	हवाई सर्वेक्षण की योजना	हवाई सर्वेक्षण कर नक्शा तैयार किया जाना।	226.00	1. अबूझमाड़ के 5852 हेक्टेयर क्षेत्र का हवाई सर्वेक्षण 2. 37 ग्रामों का नक्श निर्माण	–	सर्वे कार्य पूर्ण
3	फसलों की सांख्यिकी में सुधार की योजना	फसल पैदावार के सर्वेक्षण पद्धति में सुधार	34.35	1. राज्य के 20 प्रतिशत ग्रामों का चयन कर उसमें से 100 ग्रामों का गिरदावरी जांच कराना। 2. 350 रबी एवं खरीफ फसल कटाई प्रयोग	28.63	पूर्ण
4	मुख्य फसलों के उत्पादन संबंधी अनुमानों को समय पर भेजने की योजना	20 प्रतिशत ग्रामों में गिरदावरी करवाकर विभिन्न फसलो के बोये गये क्षेत्रफल के अनुमान एवं संभावित न्यादर्श पद्धति द्वारा चुने गए ग्रामों में फसल कटाई प्रयोग किया जाना ।	30.72	1. पटवारी एवं राजस्व निरीक्षकों द्वारा गिरदावरी प्रतिवेदन को निर्माण– (चयनित ग्रामों का 20 प्रतिशत) 2. राजस्व निरीक्षकों द्वारा	22.51	पूर्ण

				अपने मंडल की जानकारी संकलित कर क्षेत्रीय उप आयुक्त को प्रस्तुत किया जाना । 3. राज्य में कुल बोये गये फसलों के क्षेत्रफल का अनुमान (भारत शासन को खरीफ अनुभाग 30 नवंबर तक तथा रबी अनुमान 15 मार्च तक जानकारी प्रेषित करना) ।		
5	भू–अभिलेख का अद्यतीकरण	राजस्व निरीक्षको एवं पटवारी प्रशिक्षण शाला भवनो, अभिलेगार तथा राजस्व निरीक्षक एवं पटवारी आवास सह कर्यालय भवनो का निर्माण	1000.00	1. 500 पटवारी कार्यालय सह आवास निर्माण 2. 20 अभिलेखगार का निर्माण । 3. 1 राज्य स्तरीय प्रशिक्षण संस्थान का निर्माण ।	820.00	410 पटवारी कार्यालय सह आवास
6	कृषि संगणना	कृषि में आधुनिक एवं परांपरिक साधनो के उपयोग की जानकारी प्राप्त करना ।	45.51	निम्न जानकारी संकलित किया जायेगा – 1. कृषि जोतों की संख्या तथा क्षेत्रफल। 2. भू–राजस्व के आधार पर जोतों की	26.91	निरंतर

				संख्या तथा क्षेत्रफल 3. विभिन्न भूमि जोतों के अन्तर्गत क्षेत्रफल 4. सिंचाई के आधार पर जोतों की संख्या क्षेत्रफल 5. विभिन्न फसलों के अन्तर्गत सिंचित/ असिंचित क्षेत्रफल 6. जोते गये क्षेत्र के आधार पर जोतो की संख्या तथा क्षेत्रफल		
7	भू–अभिलेख कम्प्यूटरीकरण योजना	भू–अभिलेख कम्प्यूटीकरण योजना का विस्तार	300.00	1. 1500 पटवारियों को कम्प्यूटर का प्रदाय । 2. कास्तकारों को कम्प्यूटरीकृत नक्शा, खसरा, बी–1 का प्रदाय 3. राज्य स्तर पर नेटवकींग व्यवस्था	23.23	45 कम्प्यूटर सह उपकरण
8	पशु संगणना	प्रत्येक 5 वर्ष में राज्य में पाये जाने वाली पशु धन एवं कृषि औजारों की गणना की जाती है	0.50	प्रत्येक 5 वर्ष में राज्य में पाये जाने वाली पशु धन एवं कृषि औजारों की गणना की जाती है	–	–
9	राजस्व निरीक्षक प्रशिक्षण शाला	राजस्व निरीक्षक तथा पटवारियों को कम्प्यूटर एवं अन्य राजस्व अभिलखों का संधारण, रखरखाव तथा	30.00	राजस्व निरीक्षकों को एक वर्ष का प्रशिक्षण कार्यक्रम ।	–	–

		डाटा कार्यो का प्रशिक्षण ।				
10	राष्ट्रीय फसल बीमा योजना	कृषकों के फसल हानि की क्षतिपूर्ति हेतु फसल बीमा के रूप में क्रियान्वयन की जा रही है ।	10.00	कृषकों के फसल हानि की क्षतिपूर्ति हेतु फसल बीमा के रूप में क्रियान्वयन की जा रही है ।	2.75	योजना के क्रियान्वयन पर व्यय ।